Regarding compensation to displaced families along with their rehabilitation arrangement

श्री वीरेन्द्र सिंह **(**चन्दौली**) :** महोदया, धन्यवाद ।

महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान वाराणसी जनपद में सड़क चौड़ीकरण के नाम पर जिस तरीके से एक वर्ग विशेष को प्रताड़ित करने का काम किया जा रहा है, उसकी तरफ आकर्षित करना चाहता हूँ । माननीय प्रधानमंत्री जी जब हमारे जिले से सांसद चुने गए तो उन्होंने कहा कि हम क्योटो बना देंगे । मुझे क्योटो देखने का मौका मिला और क्योटो में मैंने देखा कि गलियों को सजाया गया, पुरानी इमारतों को संरक्षित किया गया और उनका रख-रखाव किया गया, जिससे सुन्दर भी हो गया और ऐतिहासिक धरोहरों की रक्षा हो गई । यहां पर बिना कानून लागू किए जबरदस्ती * की भांति जिस तरीके से उनके मकान ढहाये जा रहे हैं, उनकी दुकानें उखाड़ी जा रही हैं और बिना विस्थापित किए, बिना मुआवजा दिए उनको बेघर कर दिया जा रहा है । (व्यवधान)

मैडम, मैं अपनी मांग तो कर लूँ ।

माननीय सभापति**:** आप अपनी मांग कीजिए ।

श्री वीरेन्द्र सिंह**:** सैंकड़ों वर्षों से उनका कारोबार है । उनके बच्चे अनाथ हो रहे हैं । उन्हें विस्थापित किया जाए और जैसा गुजरात कॉरिडोर में लोगों को मुआवजा मिला है, उसी भांति हमारे क्षेत्र में भी मुआवजा दिया जाए । (व्यवधान)